कृषि उत्पादों का उत्पादन और खपत

325. **श्री नरेश यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) वर्ष 1997-98 तथा 1998-99 के दौरान देश मे विभिन्न कृषि उत्पादन की तुलना में उनकी खपत क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में स्थिति का कोई राज्य-वार आकलन किया हैं;

(ग) क्या खाद्यान्नो की प्रति व्यक्ति उपलब्धता/ खपत को बनाये रखा जा रहा हैं; और

(घ) यदि हां, तो नौंवी पंचवर्षीय योजना के दौरान खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता/खपत का राज्य-वार ब्यौरा क्या हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल) : (क) से (घ) 1997 तथा 1998 के दौरान विभिन्न खाद्यान्नों का उत्पादन तथा उपलब्धता/मनुष्यों द्वारा की जाने वाली खपत को दर्शाने वाला विवरण संलग्न हैं। (नीचे देखिए) हाल के वर्षो में खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 171 से 187 किग्रा. की सीमा में कायम की गई हैं। खाद्यान्नों की उपलब्धता/खपत का राज्यवाद ब्यौरा नहीं रखा जाता हैं।

विवरण

खाद्यान्नों का उत्पादन तथा उपलब्धता/मनुष्यों द्वारा की जाने वाली खपत

(मिलियन मी. टन में)

जिंस	वर्ष	उत्पादन	खपत
चावल	1997	81.73	76.92
	1998(पी)	82.30	75.85
गेहूं	1997	69.30	61.70
	1998(पी)	65.90	53.96
अनाज	1997	185.19	164.19
	1998(पी)	179.36	152.77
दालें	1997	14.25	13.08
	1998(पी)	13.07	11.70
खाद्यान्न	1997	199.44	177.27
	1998(पी)	192.43	164.47

गंगा के जल द्वारा भूक्षरण

326. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव** :

श्री ईश दत्त यादव :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश एवं बिहार में गंगा नदी के जल से होने वाले भूक्षरण की समस्या के संबंध में कोई अध्ययन कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल) : (क) से (ग) जल संसाधन मंत्रालय के अंतर्गत गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग ने अध्ययन किए हैं और गंगा घाटी के लिए व्यापक योजनाएं तैयार की हैं और अनुवर्ती कार्रवाई हेतु इन्हें घाटी वाले सभी राज्यों को भेजा गया